COURSE – CODE RAJ
बी.ए. राजस्थानी
सत्र 2024–25

सैमेस्टर – प्रथम (Semester – I Rajasthani)
प्रश्न पत्र–प्रथम आधुनिक राजस्थानी काव्य

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांकः– 120** Credit: 06

अंकन योजना
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

राजस्थानी कायक्रमों के लिए
30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

परीक्षा का प्रारूप
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक)': इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

पाठ्यपुस्तकें
1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी काव्य संग्रह) : सं. रावत सारस्वत, (कवि क्र.सं. 2, 9, 14, 20, 29, 32, 34, 39, 41, 48, 50 केवल), कन्हैयालाल सेठिया, गणेशलाल व्यास "उस्ताद", चन्द्रसिंह बिरकाळी, डॉ. मनोहर शर्मा, मेघराज मुकुल, डॉ. नारायण सिंह भाटी, रघुराजसिंह हाडा, रामसिंह सोलंकी, रेवतदान 'कल्पित', सत्यप्रकाश जोशी, सुमनेश जोशी।
2. मानखो (प्रबन्धात्मक खण्ड काव्य) : गिरधारी सिंह पड़िहार

अध्ययन क्षेत्र
1. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा से संबंधित अध्ययन।
2. काव्य शास्त्र : काव्य गुण, शब्द – शक्तियाँ एवं अलंकार।
3. शब्द बोधः तत्सम एवं तद्भव शब्द।

इकाई 1.
राजस्थान के कवि – (कन्हैयालाल सेठिया, गणेशलाल व्यास "उस्ताद", चन्द्रसिंह बिरकाळी, डॉ. मनोहर शर्मा, मेघराज मुकुल, डॉ. नारायण सिंह भाटी) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 2.
राजस्थान के कवि – (रघुराजसिंह हाडा, रामसिंह सोलंकी, रेवतदान 'कल्पित', सत्यप्रकाश जोशी, सुमनेश जोशी।) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 3.
मानखो – गिरधारीसिंह पड़िहार (प्रथम एवं द्वितीय सर्ग) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 4.
मानखो – गिरधारीसिंह पड़िहार (तृतीय सर्ग) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 5.
1. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा
2. काव्य शास्त्र : काव्य गुण, शब्द – शक्तियाँ एवं अलंकार – (यमक, श्लेष, रूपक, उपमा, अनुप्रास, और वैण–सगाई अलंकार सामान्य परिचय)
3. शब्द बोध : तत्सम एवं तद्भव शब्द का अध्ययन

पाठ्यपुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रंथ
1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी काव्य संग्रह) सं. रावत–सारस्वत
   प्रकाशकः राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
2. मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार
   प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, कोरियों का मोहल्ला, बीकानेर
3. राजस्थानी साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन प्रयाग

4. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान चौपासनी, जोधपुर।

COURSE – CODE RAJ
बी.ए. राजस्थानी
सत्र 2024–25

सैमेस्टर – द्वितीय (Semester – II Rajasthani)
प्रश्न पत्र– आधुनिक राजस्थानी गद्य

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांकः– 120** Credit: 06

अंकन योजना
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए
30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

परीक्षा का प्रारूप
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक)': इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

पाठ्यपुस्तकें :–
1. उकरास (राजस्थानी कहानी संग्रह) : सं. सांवर दइया
   (कहानी क्र.सं. 1, 3, 5, 6, 10, 11, 13, 14, 15, 21, 22, 24, 25 केवल)
2. राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
   (सम्पूर्ण संकलन : पाठ क्रमांक 11, 13 और 15 को छोड़कर)

अध्ययन क्षेत्र
1. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा।
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं : संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास एवं नाटक।
3. भाषा बोध एवं अनुवाद : राजस्थानी से हिन्दी और हिन्दी से राजस्थानी।

इकाई 1
उकरास (कहानी संग्रह) : सम्पादक सांवर दइया
कहानियां –
1. सूरज री मौत – अन्नाराम सुदामा
2. थे बारै जावो – करणीदान बारहठ
3. घासलेट री खुशबू – चन्द्रप्रकाश देवळ
4. पुण्याई – चेतन स्वामी
5. हिरणी – बैजनाथ पंवार
6. बातां – भंवरलाल भ्रमर

में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 2
उकरास (कहानी संग्रह) : सम्पादक – सांवर दइया
कहानियां –
7. दया – मदन सैनी
8. सांढ – मनोहरसिंह राठौड़
9. नीलकंठी – माधव नागदा
10. काच रो चिलको – यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
11. भारमली भाजी कोनी – रामकुमार ओझा "बुद्धिजीवी"
12. कांचळी – रामेश्वर दयाल श्रीमाली
13. राजीनांवो – विजयदान देथा

में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 3

राजस्थानी गद्य संकलन	–	सं. डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
अणोर् अणीयान् महतो महीयान्	–	नरोत्तमदास स्वामी
वंदनमाळ	–	रामसिंह
रामजी भला दिन देवै	–	डॉ.मनोहर शर्मा
कलाकार बंधुवां सूं	–	साने गुरूजी
राखी रो त्यूंहार	–	सौभाग्यसिंह शेखावत
पूरण पुरुष कृष्ण	–	सत्यप्रकाश जोशी

में से व्याख्या एवं आलोचनत्मक अध्ययन

इकाई 4

राजस्थानी गद्य संकलन	–	सं. डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
गोगाजी रा घोड़ा	–	डॉ.नेमनारायण जोशी
ढूंढाड महातम	–	गोपालनारायण बोहरा
म्हारी जापान यात्रा	–	लक्ष्मीकुमारी चूंडावत
सह–अस्तित्व	–	अन्नाराम सुदामा
राजस्थान काव्य : अेक निरख अेक परख	–	कृष्णगोपाल कल्ला
श्री शिवचन्द्र भरतिया	–	सत्यनारायण स्वामी

में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 5

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा।
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं : संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास एवं नाटक।
3. भाषा बोध एवं अनुवाद : राजस्थानी से हिन्दी और हिन्दी से राजस्थानी।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–

1. राजस्थानी सहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत और प्रवृत्तियां : डॉ. किरण नाहटा, प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर ।
4. आलोचना री आंख सूं – श्री कुन्दन माली
5. राजस्थानी साहित्य मीमांसा – डॉ. माधो सिंह इन्दा
6. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. कल्याण सिंह शेखावत
7. पोथी दर पोथी – डॉ. किरण नाहटा

COURSE – CODE RAJ
बी.ए. राजस्थानी
सत्र 2025–26

सैमेस्टर – तृतीय (Semester – III Rajasthani)
प्रश्न पत्र– **मध्यकालीन राजस्थानी काव्य**

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांकः– 120** Credit: 06

अंकन योजना
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए
30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

परीक्षा का प्रारूप
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक)': इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

पाठ्यपुस्तकें
1. नागदमण : सायांजी झूला : (सम्पादक) मूलचंद प्राणेश। प्रकाशक : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी। प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर।

अध्ययन क्षेत्र
1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य का इतिहास –
2. काव्यगत प्रवृत्तियां–भक्ति एवं नीतिपरक साहित्य–प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार।
3. विविध काव्य रूपों का परिचय ।

इकाई 1.
नागदमण : सायाजी झूला : (सम्पादक) मूलचंद प्राणेश। (भुजंगप्रयात छंद 01 से 60 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 2.
नागदमण : सायाजी झूला : (सम्पादक) मूलचंद प्राणेश। (भुजंगप्रयात छंद 61 से 121 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 3.
2. राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी। (दुहा संख्या 1 से 80 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 4.
राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी। (दुहा संख्या 81 से 161 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 5.
मध्यकालीन राजस्थानी काव्य : विकास एवं परम्परा, भक्ति एवं नीति साहित्य : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
मध्यकालीन राजस्थानी काव्य रूप : महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य : परिचायात्मक का अध्ययन

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–
1. नागदमण : सायांजी झूला : (सम्पादक) मूलचंद प्राणेश। प्रकाशक : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी। प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर।
3. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचंद नाहटा
4. राजस्थान भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
5. परम्परा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक, प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर। राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
6. राजस्थान भाषा – एक परिचय – नरोत्तमदास स्वामी

COURSE – CODE RAJ
बी.ए. राजस्थानी
सत्र 2025–26

सैमेस्टर – चतुर्थ (Semester – IV Rajasthani)
प्रश्न पत्र– मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांकः– 120** Credit: 06

अंकन योजना
यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए
30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

परीक्षा का प्रारूप
इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।
खंड A (20 अंक)': इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।
खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

पाठ्यपुस्तकें
1. राजस्थानी वात संग्रह – सं. डॉ. मनोहर शर्मा एवं श्रीलाल नथमल जोषी
   (वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 26, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल) कहानियों के नाम –
2. सातल सोम री वात, 7. जैसे सरवहीयै री वात, 15. हाडै सूरजमल नाराइणदासोत री वात, 20. पाबूजी राठौड़ री वात, 21. जगदेव पंवार री वात, 23. रेसांमियै री वात, 29 सयणी चारणी री वात, 32. जसमां ओडण री वात, 33. ऊमादे भटियाणी री वात, 35. राजा भोज, माघ पिंडत अर डोकरी री वात, 36. नाहरी हरणी धरमेकै री वात, 37. सांखलै कंवरसी नै भरमल री वात, 44. बीजण बीजोगण री वात, 46. देपाळ घंघ री वात, 48. अकल री वात।)
   कहवाट विलास : सं. डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं देव कोठारी

अध्ययन क्षेत्र
1. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा।
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य विधाओं का परिचय।

इकाई 1.
राजस्थानी वात संग्रह – सं. डॉ. मनोहर शर्मा एवं श्रीलाल नथमल जोशी
(वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 26, 29)
(2 सातल सोम री वात, 7. जैसे सरवहीयै री वात, 15. हाडै सूरजमल नाराइणदासोत री वात, 20. पाबूजी राठौड़ री वात, 21. जगदेव पंवार री वात, 23. रेसांमियै री वात, 29 सयणी चारणी री वात) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 2.
राजस्थानी वात संग्रह – सं. डॉ. मनोहर शर्मा एवं श्रीलाल नथमल जोशी
(वात संख्या : 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल) कहानियों के नाम –
(32. जसमां ओडण री वात, 33. ऊमादे भटियाणी री वात, 35. राजा भोज, माघ पिंडत अर डोकरी री वात, 36. नाहरी हरणी धरमेकै री वात, 37. सांखलै कंवरसी नै भरमल री वात, 44. बीजण बीजोगण री वात, 46. देपाळ घंघ री वात, 48. अकल री वात।)
में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 3.
कहवाट विलास : सं. डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं देव कोठारी
(कहवाट विलास – मूल पाठ से पृष्ठ संख्या 40 तक)
व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 4.
कहवाट विलास : सं. डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं देव कोठारी
(कहवाट विलास – पृष्ठ संख्या 41 से 80 तक)
व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 5.
मध्यकालीन गद्य साहित्य : विकास एवं परम्परा, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
मध्यकालीन गद्य विधाएं – वात, ख्यात, दवावैत, वचनिका, टब्बा, टीका, टिप्पणी, वंशावली आदि का अध्ययन

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–

1. राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्‌भव और विकास : डॉ. शिवस्व शर्मा
2. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचंद नाहटा
3. परम्परा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक, प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर। राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
4. काव्य के रूप : डॉ. गुलाब राय
5. प्राचीन काव्यों की रूप परम्परा : अगरचंद नाहटा

COURSE – CODE RAJ

बी.ए. राजस्थानी

सत्र 2026–27

सैमेस्टर – पंचम (Semester – V Rajasthani)

प्रश्न पत्र– प्राचीन राजस्थानी काव्य

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांकः– 120** Credit: 06

अंकन योजना

यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

परीक्षा का प्रारूप

इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक)': इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

पाठ्यपुस्तकें

1. ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक
2. गोरा बादिल चरित चउपई : सं. मुनि श्री जिनविजय

विशिष्ट अध्ययन

प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार।

काव्यशास्त्र : रस, प्रमुख छन्द

राजस्थानी काव्य दोष।

इकाई 1

ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक

(मारवणी का संदेसा – दूहा संख्या 110 से 210 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 2

ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक

(मारवाड़ की निंदा एवं मारवाड़ की प्रशंसा – दूहा संख्या 654 से 674 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 3

गोरा बादिल चरित चउपई : सं. मुनि श्री जिनविजय (चउपई संख्या 1 से 75 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 4

गोरा बादिल चरित चउपई : सं. मुनि श्री जिनविजय (चउपई संख्या 76 से 150 तक) में से व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 5

प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास, विकास एवं परम्परा, प्राचीन राजस्थानी रचनाएं एवं रचनाकार।

रस – सामान्य परिचय

छन्द – दूहा (भेदां सहित), वेलियो, छोटा साणोर, झमाल, निसांणी और सुपंखरो

राजस्थानी काव्य दोष – छबकाळ दोष, अंधदोष, अपस दोष, अमंगळ दोष, बेहरो दोष, जाति विरूद्ध दोष, निनंग दोष, परचिय एवं उदाहरण

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–

1. राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्भव और विकास : डॉ. शिवस्व शर्मा
2. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचंद नाहटा
3. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया

COURSE – CODE RAJ

बी.ए. राजस्थानी

सत्र 2026–27

सैमेस्टर – षष्ठम (Semester – VI Rajasthani)

प्रश्न **पत्र– राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति**

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांकः– 120** Credit: 06

अंकन योजना

यह योजना 150 अंकों की होगी। योजना निम्नलिखित हैः

राजस्थानी कार्यक्रमों के लिए

30 आंतरिक + 120 सैद्धांतिक = कुल 150

परीक्षा का प्रारूप

इस पाठ्यक्रम में 5 इकाइयाँ होंगी। प्रश्न पत्र में तीन खंड होंगे।

खंड A (20 अंक)': इसमें 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। खंड A को इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि प्रश्न i से v बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जबकि प्रश्न vi से x रिक्त स्थान की पूर्ति भरने वाले प्रश्न होंगे।

खंड B (40 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को सभी 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

खंड C (60 अंक)': इसमें 5 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा, इन तीन प्रश्नों को विभिन्न इकाइयों से चुनना होगा। उत्तर 400 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी भाषा का उद्भव एंव विकास, राजस्थानी लिपि का ज्ञान, प्राचीन राजस्थानी भाषा का इतिहास – युगीन परिवेष प्रवृतियां, रचनाएँ एवं रचनाकार।
2. राजस्थानी लोक साहित्य – सामान्य परिचय, राजस्थानी लोक साहित्य की विद्याएं – लोककथा, लोकगीत, लोकनाट्य एवं लोकोक्तियां।
3. राजस्थानी लोक संस्कृति का स्वरूप एवं विषेषताएं, प्रमुख व्रत, त्यौहार, तीर्थ, वेष–भूषा, आभूषण आदि।
4. राजस्थानी री टाळवी गद्य विद्यावां :
   (रेखाचित्र, संस्मरण, व्यंग्य, निबन्ध, एकांकी उपन्यास, नाटक, कहाणी, लघुकथा)
   डॉ. नेम नारायण जोशी–कूदण बाबो–(संस्मरण)
   शिवराज छंगाणी–संत सालम नाथ बाबो–(रेखाचित्र)
   डॉ. कल्याण सिंह शेखावत– हरख, हैत (निबन्ध)
   लक्ष्मी नारायण रंगा–प्रमाण–पत्र–(एकांकी)
   डॉ. मदन केवलिया – पितृ–शोक अेक मोटा अफसर ने (व्यंग्य)
   श्यामसुंदर भारती–डूंगर बळती (व्यंग्य)
   बुलाकी शर्मा– पूंगी–(व्यंग्य)
   मधु आचार्य "आशावादी"–गवाड़ (उपन्यास रा अंस)–(किणरी खीर कुण खावै, गवाड़, असलीसाब, मिनखपणो, गवाड़ नी डरै, गवाड़ रो टाबर, घर)
   भरत ओळा– उंडी आग (कहाणी)
   राजेन्द्र जोशी– अगाड़ी (कहाणी)
   कमल रंगा – सूपने री मिरतू (कहानी)
   शंकर सिंह राजपुरोहित – कट्योड़ौ किन्नौ (संस्मरण)
   पवन पहाड़िया – तगदीर (लघु कथा)
   हरीश बी. शर्मा – अैसो चतुर सुजान (नाटक रा अंश)
5. राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन (पांच विकल्पों में से किसी एक विषय पर)।

इकाई 1

राजस्थानी भाषा का उद्भव एंव विकास, राजस्थानी लिपि का ज्ञान, प्राचीन राजस्थानी भाषा का इतिहास – युगीन परिवेश प्रवृतियां, रचनाएँ एवं रचनाकार।

इकाई 2

राजस्थानी लोक साहित्य – सामान्य परिचय, राजस्थानी लोक साहित्य की विद्याएं – लोककथा, लोकगीत, लोकनाट्य एवं लोकोक्तियां।

इकाई 3

राजस्थानी लोक संस्कृति का स्वरूप एवं विशेषताएं, प्रमुख व्रत, त्यौहार, तीर्थ, वेश–भूषा, आभूषण आदि।

इकाई 4

राजस्थानी री टाळवी गद्य विद्यावां :
(रेखाचित्र, संस्मरण, व्यंग्य, निबन्ध, एकांकी उपन्यास, नाटक, काणी, लघुकथा)
डॉ. नेम नारायण जोशी–कूदण बाबो–(संस्मरण)
शिवराज छंगाणी–संतसालम नाथ बाबो–(रेखाचित्र)

डॉ. कल्याण सिंह शेखावत– हरख, हैत (निबन्ध)
लक्ष्मी नारायण रंगा–प्रमाण–पत्र–(एकांकी)
डॉ. मदन केवलिया – पितृ–शोक अेक मोटा अफसर ने (व्यंग्य)
श्यामसुंदर भारती–डूंगर बळती (व्यंग्य)
बुलाकी शर्मा– पूंगी–(व्यंग्य)
मधु आचार्य "आशावादी"–गवाड़ (उपन्यास रा अंस)–(किणरी खीर कुण खावै, गवाड़, असलीसाब, मिनखपणो, गवाड़ नी डरै, गवाड़ रो टाबर, घर)
भरत ओळा – उंडी आग (कहाणी)
राजेन्द्र जोशी– अगाड़ी (कहाणी)
कमल रंगा – सूपने री मिरतू (कहानी)
शंकर सिंह राजपुरोहित – कट्योड़ौ किन्नौ (संस्मरण)
पवन पहाड़िया – तगदीर (लघु कथा)
हरीश बी. शर्मा – अैसो चतुर सुजान (नाटक रा अंस)

इकाई 5

राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन (पांच विकल्पों में से किसी एक विषय पर)।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–

राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्याः साहित्य संस्थान, उदयपुर।
पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह
राजस्थानी भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्मारामजाजोदिया राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
राजस्थानी भाषा–एक परिचय : नरोत्तमदास स्वामी
राजस्थानी सबद कोस : सीताराम लालस–राजस्थानी शोध संस्थान, (प्रथम खण्ड)चौपासनी, जोधपुर
डिंगल साहित्य : डॉ. गोवर्द्धन शर्मा
राजस्थानी व्याकरण : सीताराम लालस
राजस्थानी लोकसाहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. सोहनदान चारण
लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
राजस्थान का लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्याण सिंह शेखावत
सुरंगी संस्कृति : ओम पुरोहित 'कागद'
मूंडै बोलै रेतड़ली : सरदार अली पड़िहार
राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियां : डॉ. देव कोठारी
राजस्थानी साहित्य शास्त्र री ओळखाण : डॉ. गौरीशंकर प्रजापत
मिनखां री माया : शिवराज छंगाणी
ओळू री अखियातां : नेमनारायण जोशी
मणिमाळ : प्रो. कल्याण सिंह शेखावत
कलम अर बन्दूक : श्यामसुन्दर भारती
इज्जत में इजाफो : बुलाकी शर्मा
गवाड़ : मधुं आचार्य "आशावादी"
अगाड़ी : राजेन्द्र जोशी
बणतो इतिहास – कमल रंगा
गिनीज बुक सारू – डॉ. मदन केवलिया
भूत : भरत ओळा
अैसो चतुर सुजान : हरीश बी. शर्मा
तीजौ रूप : पवन पहाड़िया
गद्य सतरंग : डॉ.नमामी शंकर आचार्य
निबन्ध सबरंग : डॉ. गौरीशंकर प्रजापत